समय : ३ घंटे **कुल अंक :१००**

सूचना :१. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं

प्रश्न १. हिंदी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण को रेखांकित कीजिए | २०

अथवा

साहित्य-इतिहास को स्पष्ट करते हुए इस सम्बन्ध में भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न २. आदिकालीन पृष्ठभूमि का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा विस्तृत विवरण दीजिए | २०

अथवा

सिद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए|

प्रश्न ३. सूफी शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए विशेषताओं को रेखांकित कीजिए| २०

अथवा

राम काव्य की विशेषताओं का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए|

प्रश्न ४. रीतिकाल के प्रमुख कवियों पर प्रकाश डालें| २०

अथवा

रीतिसिद्ध काव्य-धारा की प्रमुख प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न ५.क. किन्ही दो विषयों पर टिप्पणीयां लिखिए | १०

१. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का काल विभाजन।
२. रासो साहित्य की विशेषताएं
३. कृष्णा काव्य
४. रीतिबद्ध काव्य धारा

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए | ०५

१. 'हठयोग' किस संप्रदाय से संबंधित है?
२. चौरासी सिध्दों में सबसे ऊँचा स्थान किसका है?
३. संतों का रहस्यवाद किससे प्रभावित है?
४. रीतिकाल को रीतिकाल की संज्ञा किसने दी?
५. 'कविप्रिया' के रचनाकार कौन हैं?

XSAGARDADMINY01C8AEXSAGARDADMINY01C8AE

ग. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित विकल्प लिखिए |

१. आदिकाल को 'वीरकाल' नाम किसने दिया है? **०५**

अ) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी आ) जॉर्ज ग्रियर्सन

इ) विश्वनाथप्रसाद मिश्र ई) महावीर प्रसाद द्विवेदी

२. नाथ पंथ के प्रवर्तक कौन हैं ?

अ)गोरखनाथ आ)मत्स्येन्द्रनाथ

इ)नागनाथ ई)आदिनाथ

३. रीतिमुक्त काव्य धारा के प्रमुख कवि इनमें से कौन है?

अ) बिहारी आ) देव

इ) घनानंद ई) पद्माकर

४. घनानंद को अमर करनेवाली रचना कौन-सी है ?

अ)रसराज आ)सुजानहित

इ)कविप्रिया ई)ललित ललाम

५. अकबर दरबार के किस सदस्य ने 'दोहावली' की रचना की?

अ) बीरबल आ) रहीम

इ) तानसेन ई) बिहारी

XSAGARDADMINY01C8AEXSAGARDADMINY01C8AE